तापमान

अधिकतम 32.2 डिग्री

न्यूनतम 24.6 डिग्री

हरिभूमि

महासमुंद भूमि

रायपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

12 खल्लारी में गौरा-गौरी विसर्जन में उमड़े श्रद्धालु, दिखा उल्लास...

12 दीपोत्सव पर पालिका में अध्यक्ष ने की मां लक्ष्मी ...

हाथी का हमला : दीपावली की खुशियां मातम में बदलीं

खेत देखने गए किसान को दंतैल ने कुचल डाला, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा

दीपावली के दिन जहां एक ओर लोग अपने परिवारों के साथ खुशियां मना रहे थे। वहीं हरदी गांव में खुशियों का यह पर्व एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। स्थानीय किसान दंतैल हाथी के हमले का शिकार हो गया जिससे कनकू राम ठाकुर (65 वर्ष) की मौत मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार कनकू राम ठाकुर दीपावली के दिन परिवार के साथ दोपहर का भोजन करने के बाद खेत की ओर गया। घरवालों से कहकर गया कि वो कुछ देर खेत की देखरेख कर शाम तक लौट आएगा। लेकिन, शाम लगभग चार बजे गांव में खबर पहुंची कि खेत के पास दंतैल हाथी ने उन पर हमला कर दिया है और उसे कुचल डाला।

घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया। परिवार की खुशी का माहौल देखते ही देखते शोक में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाथी खेतों की ओर भटककर पहुंच गया था। कनकू राम के सामने आते ही उसने उन पर आक्रमण कर दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। समाचार लिखे जाने तक वन विभाग के कोई भी उच्च अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा था। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लगातार हाथियों की आवाजाही बनी हुई है। लेकिन, विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने मृतक के परिवार को मुआवजा एवं क्षेत्र में हाथी सुरक्षा उपायों की मांग की है।

गौरा-गौरी पूजा के बाद भालुओं ने किया बैगा पर हमला, गांव में दहशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

गौरा गौरी पूजन के समापन पश्चात जिले के कोमाखान के समीपस्थ ग्राम दरबेकेरा में भालूओं के दल ने बैगा पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे बैगा को गंभीर चोटें आई है। घायल अवस्था में बैग को तत्काल अस्पताल दाखिल कराया गया लेकिन, बैगा की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

ग्राम दरबेकेरा में बुधवार रात गौरा-गौरी पूजा का भव्य एवं सामूहिक आयोजन किया गया था। इस पूजा में गांव के सभी लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए थे। पूजा पाठ और लोकनृत्य का कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। कार्यक्रम के

समापन के बाद, ग्रामीण एक-एक करके अपने घरों को लौट चुके थे। घटना देर रात करीब ढाई से तीन बजे एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ जंगल से निकलकर गांव की ओर पहुंची। भालुओं का यह दल सीधे उस स्थान की ओर बढ़ा, जहां कुछ ही घंटे पहले पूजा पाठ हुआ था। संभवतः वे पूजा के बाद बचे हुए खाद्य सामग्री या प्रसाद की तलाश में आए थे। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम ने भी दरबेकेरा गांव का दौरा किया। टीम ने घटना स्थल का मुआयना किया और ग्रामीणों से बातचीत की। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बैगा लखन सिंह ठाकुर के उपचार का सारा खर्च विभाग वहन करेगा और नियमानुसार उन्हें क्षतिपूर्ति भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि भालुओं की गतिविधि पर नजर रखने के लिए विशेष दल तैनात किया जाएगा और रात्रि गश्त भी बढ़ाई जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से दरबेकेरा और आसपास के वन क्षेत्रों में भालुओं की आवाजाही काफी बढ़ गई है। इस घटना ने एक गहरा डर पैदा कर दिया है। स्थानीय सरपंच और पंचों ने वन विभाग के अधिकारियों को घटना की सूचना दी है और गांव में तुरंत सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

भालूओं से भिड़ गया बैगा

हमले के दौरान गांव के बैगा, लखन सिंह ठाकुर 57 वर्ष पिता हेमसिंग ठाकुर, पूजा स्थल के पास ही मौजूद थे। बैगा लखन सिंह ठाकुर गांव में जड़ी-बूटियों के जानकार और आध्यात्मिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। शायद वे पूजा स्थल की देखरेख के लिए रुके थे या पूजा की कुछ सामग्री समेट रहे थे। जैसे ही उन्होंने भालुओं को पूजा स्थल की ओर आते देखा, लखन सिंह ठाकुर ने साहस का परिचय देते हुए उन्हें वहां से भगाने का प्रयास किया। मादा भालू, जो अपने शावकों के साथ थी, तुरंत आक्रामक हो गई। इससे पहले कि लखन सिंह ठाकुर कुछ समझ पाते, भालुओं के झुंड ने उन पर हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल बैगा अस्पताल में

भालुओं ने बैगा लखन सिंह ठाकुर को जमीन पर गिरा दिया और उनके शरीर को नोंचना शुरू कर दिया। हमले में बैगा के जांघ और हाथ में गहरे घाव हैं। बताया जाता है कि उनकी जांघ पर भालू के पंजे और दांतों के निशान बेहद गहरे हैं, जिससे भारी रक्तस्राव हुआ। लखन सिंह ठाकुर की चीख-पुकार सुनकर आसपास के कुछ ग्रामीण जो देर तक जगे हुए थे, टॉर्च लेकर घटना स्थल की ओर भागे। ग्रामीणों को अपनी ओर आता देख भालुओं का वह दल घने अंधेरे का फायदा उठाकर वापस जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने खून से लथपथ बैगा को तुरंत 108 एंबुलेंस की मदद से बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

खबर संक्षेप

आज पिथौरा प्रवास पर रहेंगे रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा

पिथौरा (ग्रामीण)। रायपुर उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा मंगलवार 23 अक्टूबर को पिथौरा और बसना क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधायक पुरंदर मिश्रा दोपहर 12 बजे बसना के विप्र भवन में आयोजित स्व. लालबिहारी कर के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे दोपहर 2 बजे पिथौरा ब्लॉक के ग्राम बल्दीडीह सांकरा पहुंचकर निर्माणाधीन मां वैष्णो देवी मंदिर पहुंचेगे करेंगे तथा पूजा-अर्चना कर स्थानीय कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ दीपावली मिलन समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद शाम 5 बजे पिथौरा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात का होगा। पश्चात वे रायपुर रवाना होंगे।

उधार की रकम मांगने पर महिला से मारपीट

महासमुंद। ग्राम कसेकेरा में उधार का पैसा मांगने पर किराना दुकान संचालक एक महिला के साथ मारपीट के मामले में तीन लोगों के विरूद्ध कोमाखान थाने में अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस को कसेकेरा की पुनियाबाई यादव ने बताया कि वह गांव में किराना दुकान चलाकर जीवनयापन करती है। 21 अक्टूबर को शाम करीबन 4 बजे वह अपने दुकान में थी, तभी गांव के मनीराम पटेल एवं उसका लड़का पन्ना पटेल और उसके साथ आए टोपराम निषाद ने डिस्पोजल एवं पानी पाउच उधार मांगा। इस पर मनीराम पटेल से कहा कि पहले का उधारी का पैसा दो, तभी सामान दूंगी। इस पर आरोपी मनीराम पटेल, उसका लड़का पन्ना पटेल एवं टोपराम निषाद तीनों मिलकर गाली गलौज कर मारपीट करने लगे, जिससे से चोट लगी है। मामले में धारा 115(2), 296, 3(5) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

चटाई को लेकर विवाद बैगा के साथ मारपीट

महासमुंद। ग्राम चुरूपाली में गौरी-गौरा पर्व के दौरान चटाई ले जाने को लेकर एक व्यक्ति ने गांव के बैगा के साथ गाली गलौज कर मारपीट कर दी, मामले की रिपोर्ट पर तेंदूकोना थाने में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को प्रार्थी दीनदयाल साहू पिता हीरा सिंह साहू ने बताया वह गांवकारी बैगा का काम करता है। गांव में गौरी गौरा रखा गया है। 21 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे गौरी गौरा को चटाई से ढंका गया था, इसी दौरान गांव के बंशीलाल ठाकुर ने आकर कहा कि यह चटाई मेरी और मैं इसको ले जाउंगा। तब प्रार्थी ने कहा कि अभी रहने दो बाद में ले जाना। इसी बात पर बंशीलाल ठाकुर ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ में पहने कड़ा से बांये आंख के नीचे मारा।

गौरा-गौरी विवाह और पूजन के बाद निकली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

दीपावली की रात छत्तीसगढ़ के में परंपरानुसार गौरी-गौरा विवाह का पर्व मनाया गया। इस मौके पर शिव पार्वती के प्रतीक मिट्टी के बने गौरी-गौरा की स्थापना कर स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई। साथ ही पारंपरिक लोक गीतों और नृत्य के बीच गौरा गौरी विवाह संपन्न कराया गया। बाद गोवर्धन पूजन के दिन यानी बुधवार को गौरी-गौरा का विसर्जन हुआ।

रात में होती है पूजा

गौरी-गौरा पूजा की परंपरा मुख्यत आदिवासी समाज के बीच है प्रचलित है। लेकिन अन्य समाज के लोग भी उसमें शामिल होते हैं। इसमें दीपावली की रात कुम्हार के घर से गौरी-गौरा की प्रतिमा को लाकर एक निश्चित स्थान पर रखा जाता है और रातभर लोकगीतों और नृत्यों के बीच श्रृंगार और पूजा-अर्चना का कार्यक्रम चलता है। अगली सुबह गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें सर पर कलश के साथ गौरी-गौरा को लेकर महिला-पुरुष चलते हैं। साथ ही इसमें महिलाओं और युवतियों की टोली पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ताल पर नृत्य करते हुए चलती हैं।

हाथों पर सोंटा खाने की मान्यता

छत्तीसगढ़ में गौरा-गौरी पूजा मनाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। गोवर्धन पूजा और गौरा गौरी पूजा के अवसर पर अपने हाथों पर सोटा खाने की मान्यता है। ऐसी मान्यता है कि सोंटा से मार खाने के बाद सभी तरह के दुख और परेशानियां दूर हो जाती हैं।

दोपहर से शुरु हुआ विसर्जन का सिलसिला

शहर सहित अंचल के ग्रामीण इलाकों में बुधवार को गौरा गौरी विसर्जन का सिलसिला प्रारंभ हो गया। 'ईशर' गौरी-गौरा का विसर्जन शाम तक कर दिया जाता है वहीं 'राज' गौरी-गौरा की विसर्जन यात्रा शाम को निकलती है और विसर्जन रात को किया गया।

राजस्व टीम के साथ मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा, 6 आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा (ग्रामीण)

जिले के पिथौरा विकासखंड अंतर्गत आने वाले सांकरा थाना क्षेत्र के ग्राम ग्राम बिजराभाठा में राजस्व विभाग की टीम के साथ मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। जमीन के नक्शा सुधार के लिए मौका जांच करने गए पटवारी राजेंद्र डोंगरे और एक अन्य ग्रामीण हेमंत पटेल के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई, जिससे हेमंत पटेल के चेहरे पर चोट आई हैं।

घटना शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे की बताई जा रही है जब बिजराभाठा गांव में नायब तहसीलदार, पिथौरा के निर्देश पर गठित राजस्व टीम की मौका जांच के लिए पहुंची थी। पटवारी राजेंद्र डोंगरे ने पुलिस को बताया कि वे राजस्व निरीक्षक मुकेश साहू और पटवारी पूजा कुशवाहा के साथ आवेदिका मालती की जमीन के नक्शा सुधार की जांच के लिए मौके पर गए थे।

जांच के दौरान, राजस्व निरीक्षक ने दोनों पक्षों को वर्तमान नक्शा के अनुसार चिन्हांकन बताया। इसी बीच, धनुर्जय पटेल ने नक्शा गलत काटे जाने का आरोप लगाते हुए पटवारी राजेंद्र डोंगरे के साथ गाली-गलौज कर हाथ से मारपीट की। इसके बाद गीता प्रसाद, बसंत पटेल, सुरेश पटेल, प्रेमशंकर और मालती पटेल समेत अन्य लोगों ने भी पटवारी के साथ गाली-गलौज और वाद-विवाद किया, जिससे शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। इसी विवाद के दौरान सुरेश एवं बसंत ने जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए दूसरे पक्ष के हेमंत पटेल के साथ भी हाथ-मुक्का और चप्पल से मारपीट की।

सांकरा पुलिस ने शिकायतकर्ता पटवारी राजेंद्र डोंगरे की रिपोर्ट पर धनुर्जय पटेल, गीता प्रसाद पटेल, सुरेश पटेल, प्रेमशंकर पटेल, बसंत पटेल, और मालती पटेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(2), 121(1) और 191(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया। पुलिस ने 6 आरोपियों सुरेश पटेल पिता स्व. मृत्युंजय पटेल, प्रेम शंकर पटेल पिता पितांबर पटेल, बसंत पटेल पिता कुंज बिहारी पटेल, धनुर्जय पटेल पिता राधेलाल, गीता प्रसाद पिता राधे लाल, मालती पटेल पिता रवि लाल, सभी निवासी लोहरीनडोंगरी को गैर-जमानती विभिन्न धाराओं के अंतर्गत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

टार्च दिखाने पर युवक पर चाकू से हमला

महासमुंद। ग्राम नांदगांव में टार्च दिखाने पर हुए विवाद के चलते एक युवक पर चाकू से हमला करने के मामले में सिटी कोतवाली में आरोपियों के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को वार्ड 18 निवासी चंद्रध्वज सिंह ने बताया कि 20 अक्टूबर की रात करीबन 9.30 बजे वह घर में था, उसी समय उसके लड़के भेसराज सिंह को उसके दोस्त रवि पटेल और डगेश्वर साहू लेकर आये। इस दौरान भेसराज के दाहिने ओर कमर के ऊपर में चोट लगने खून निकल रहा था, जिसे तुरंत एंबुलेंस में बिठाकर इलाज के लिये खरोरा अस्पताल महासमुंद लाया गया। घटना को लेकर उसके दोस्त रवि पटेल को बताया कि रात्रि करीबन 9 बजे वह, डगेश्वर साहू और भेसराज सिंह हाई स्कूल मैदान के पास बैठे थे, कुछ समय बाद मोटर सायकल से कीर्ति सतनामी, शुभम सतनामी और शुभम धीवर आए, जिसको देखकर भेसराज टार्च दिखाने लगा, इसी बात को लेकर आरोपी कीर्ति सतनामी, शुभम सतनामी और शुभम धीवर तीनों ने एक राय होकर गाली गलौज कर जान से मारने की नीयत से कीर्ति सतनामी द्वारा टार्च दिखाने वाले कौन है, कहकर गले में चाकू टिका दिया और भेसराज की कमर में चाकू मार दिया, इसके बाद तीनों भाग गए। मामले को लेकर आरोपियों के विरूद्ध धारा 118(2), 296, 3(5), 351(3) बीएनएस तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। मारपीट के एक अन्य मामले में नयापारा के मकसूद खान ने सिटी कोतवाली पुलिस को बताया कि 21 अक्टूबर को वह घर में था, इस दौरान उसका छोटा भाई मंसूर खान मोहल्ले में गया था, जहां पर शाम के 6 बजे के आसपास उसके भाई मंसूर खान को संजय यादव लेकर घर आया। इस दौरान उसके भाई ने बताया कि शुभम पुरी गोस्वामी द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर अटल चौक के पास गाली गलौज मारपीट करते हुए और जान से मारने की धमकी देकर सिर में चोट पहुंचाया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 351(3) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

क्षेत्र में पांच दिवसीय दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नगर में दीपावली का उल्लास, गांवों में आज मातर उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

धनतेरस से शुरु हुआ पांच दिवसीय

- लोगों ने की जमकर खरीददारी पारंपरिक व्यंजन बनाए गए

दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। जिले भर में शहर से लेकर गांव तक, हर जगह रोशनी, उल्लास और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू बिखरती रही। लोगों ने एक दूसरे को बधाई देने के साथ जमकर खरीददारी की वहीं लक्ष्मी पूजन को लेकर दो दिवसीय संशय के चलते दोनों दिन लोगों ने पूजा अर्चना की।

दीपोत्सव के पश्चात बुधवार को ग्रामीण अंचलों में मातर महोत्सव की धूम रही। मातर महोत्सव कृषि और पशुधन संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो यादव (ठेठवार) समाज द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। दीपोत्सव पर इस बार पारंपरिक मिट्टी के दीयों और कलात्मक सजावट के सामान की मांग खूब रही, जो स्थानीय कुम्हारों के लिए शुभ संकेत था। घरों को रंग-बिरंगी लाइटों, झालरों और आकर्षक रंगोलियों से सजाया गया। लक्ष्मी पूजा के दिन, पूरे जिले में भक्ति और आस्था का माहौल रहा। शाम होते ही हर घर, दुकान और प्रतिष्ठान जगमगा उठे। लोगों ने विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। समीपस्थ ग्राम झालखम्हरिया में गोवर्धन पूजा के दिन यादव समाज की महिलाएं घर-घर जाकर तुलसी चौरा और गांव के धान कोठी, गायों के कोठा में घी या रंग से भित्ती (रंग-बिरंगे आकृतियों और पैटर्न) बनाया गया। मान्यता है कि घरों में भित्ती बनवाने से सुख समृद्धि, माता लक्ष्मी और शांति का वास रहता है।

मातर महोत्सव का स्वरूप

मातर महोत्सव के दौरान गांव के लोग विशेष रूप से यादव समाज के लोग, एकत्रित होते हैं। इस अवसर पर गौठान में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। गायों को रंग-बिरंगे परिधानों और आभूषणों से सजाया जाता है। उन्हें विशेष पकवान खिलाए जाते हैं। समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में निकलते हैं और पूरे गांव में गाजे-बाजे के साथ घूमते हैं। मातर का सबसे आकर्षक हिस्सा लाठी नृत्य और दोहा वाचन होता है। यादव समाज के सदस्य लाठी लेकर अखाड़े में उतरते हैं और हैरतअंगेज करतब दिखाते है।

सड़क किनारे खड़े युवकों को बाइक ने मारी टक्कर, एक की मौत

- घायल का इलाज बसना अस्पताल में चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

बाइक की टक्कर से सड़क किनारे खड़े दो लोगों में एक की मौत हो गई। वहीं एक घायल है। मामला ग्राम गढ़पटनी का है। रिपोर्ट पर बसना थाने में आरोपी बाइक चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को जितेंद्र प्रधान ग्राम बिछिया ने बताया कि 20 अक्टूबर को उसका भतीजा तोशेष प्रधान अपनी मोसा पल्सर सीजी 06 एचडी 4600 में अपने साथी मनीष यादव, बबलू डोंगरे के साथ काम से गढपटनी गया था। जब बसना की ओर वापस आने के दौरान रास्ते में ईंट भट्ठा गढ़पटनी के पास पहुंचकर रूके, इस दौरान तोशेष प्रधान व बबलू डोंगरे रोड किनारे खडे थे, उसी समय बसना की ओर से आ रही बिना नंबर पल्सर के चालक मनीष तमील निवासी गढ़पटनी के द्वारा अपने वाहन को तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से चलाकर एक्सीडेंट कर दिया। जिससे तोशेष प्रधान के माथे, सिर, सीने एवं बांए पैर में तथा बबलू डोंगरे के दोनों पैर में चोट आई है। जिन्हें इलाज हेतु शासकीय अस्पताल बसना लाया गया, जहां डॉक्टर द्वारा तोशेष प्रधान को चेक करने पर मृत्यु हो जाना बताया। वहीं बबलू डोंगरे का शासकीय अस्पताल बसना में ईलाज चल रहा है। मामले में आरोपी बाइक चालक के विरूद्ध धारा 184 मोटर व्ही. एक्ट, 106(1), 125(ए), 281 के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

कपड़ा, सराफा, आटोमोबाइल की हुई जमकर खरीददारी

दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मना

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

दीपावली का पांच दिवसीय पर्व अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। तिथि की उलझन की वजह से लोग ने दो दिन लक्ष्मीपूजा की। इस अवसर पर सराफा, कपड़ा, आटोमोबाइलस, किराना आदि व्यवसायों में जमकर धन की बारिश हुई। दीपावली रौशनी का त्यौहार है। हिन्दू धर्म के सबसे लोकप्रिय त्यौहारों में एक अंधेरे पर प्रकाश की जीत, बुराई पर अच्छाई और अज्ञानता पर ज्ञान का प्रतीक है।

किरण ज्वेलस, सेठिया ज्वेलर्स, आमंत्रण ज्वेलर्स के संचालकों ने बताया कि इस साल सोना-चांदी के दाम काफी महंगा होने के बाद भी लोगों ने सराफा की जमकर खरीदारी की। लोग अपनी क्षमता के अनुसार सोना-चांदी की खरीदी की है। धनतेरस से लेकर दीपावली तक करोड़ों का व्यवसाय हुआ है।

कमल, दूबी, आमपत्ता से खूब कमाई

लक्ष्मी पूजा पर पूजन सामग्री की खूब खरीदारी हुई। कमल का फूल प्रतिनग 15 से 20 रुपए में बिका। मकईचौक पर फूल का व्यवसाय कर रहे शीतल ढीमर ने बताया कि कमल फूल लक्ष्मी पूजा के लिए अनिवार्य होता है। 10 रूपए प्रति नग बिकने वाली कमलफूल 15 से 20 रुपए प्रतिनग पर बेचा गया। एक जूरी दूबी 10 रुपया तथा आम का पत्ता को तोरण भी 10 से 15 रुपए में बिका। लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, हुमदानी, मिट्टी के दीपक बेचने वाले प्रीति कुंभकार ने बताया कि मिट्टी के पूजा सामग्रियों की खूब मांग रही। कुंभकारों ने इस मौके पर खूब आमदनी की है।

दस करोड़ का पटाखा बिका

दीपावली पर जमकर आतिशबाजी हुई। पटाखा व्यवसायी राहुल ओझा ने बताया कि मिशन ग्राउंड में करीब 80 पटाखा की दुकानें लगाई गई थी। धनतेरस से लेकर लक्ष्मी पूजा तक पटाखा व्यवसाय से फुर्सत नहीं मिली। अनारदाना, बम, चकरी, दनाका सहित फैंसी पटाखों की खूब डिमांड रही। मिशन ग्राउंड में ही 10 करोड़ का पटाखा व्यवसाय हुआ है।

दो दिन लक्ष्मी पूजा का पर्व

तिथि की उलझन के कारण इस साल दो दिन तक लक्ष्मी पूजा हुई। पं.कमलेश शास्त्री बताते है कि इस साल लक्ष्मी पूजा को लेकर तिथि की उलझन रही, कई लोग 20 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजन किया। जबकि कई लोगों ने 21 अक्टूबर को दीपावली मनाई। उन्होंने बताया कि अमावस्या 20 अक्टूबर को दोपहर से 21 अक्टूबर शाम 4 बजे तक था। 22 को गोवर्धन पूजा तथा 23 को भाईदूज का पर्व मनाया जाएगा।

गौरी-गौरा विवाह गोवर्धन पूजा संपन्न

आदिवासी समाज के भागीरथी नेताम लोकेश नेताम ने बताया कि गौरी-गौरा की बारात 21-22 अक्टूबर की रात निकली। 22 अक्टूबर को गौरा विसर्जन परम्परा के साथ मनाई गई। कैलाश यादव ने बताया कि 22 को अन्नकूट तथा गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम हुआ। यादव समाज के लोगों ने शहर तथा गांव में स्थित सहाड़ा देव के समक्ष गोवर्धन पूजा किया। इस दौरान लोगों ने गोबर का टीका लगाकर एक दूसरे को बधाई दी।

कपड़ा व्यवसायी नरेश जसूजा, संतोष देवांगन ने कहा कि दीपावली पर कपड़ा बाजार खूब गर्म रहा। साड़ी, रेडीमेट पेंट शर्ट, वनपीस, टूपीस सलवार कमीज की जमकर डिमांड रही। लोगों ने कपड़ा की जमकर खरीदारी की है। शहर के सैकड़ों कपड़ा व्यवसायी है जिन्होंने करोड़ों रुपए का व्यवसाय किया है।

नगरी ब्लॉक के निवेशकों ने की बड्स एक्ट 2019 के तहत जमा पैसा वापसी की मांग

- निवेशकों ने जिपं अध्यक्ष अरूण सार्वा को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶सांकरा

नगरी सिहावा के निवेशकों ने बताया कि संसद में चिटफंड एक्ट कानून 2019 पारित हुआ है जिसमें किसी भी कंपनी में जमा किए निवेशकों का 180 दिन में जमा धन से 2 से 3 गुना शासन द्वारा वापसी देने का प्रावधान है।

संसद में कानून बने 6 साल हो गया है पर अभी तक लागू नही हुआ है। जिसे अतिशीघ्र लागू करवा कर कानून के तहत सभी निवेशकों को जल्द से जल्द जमा पैसा वापसी करने की मांग की गई है। निवेशकों ने आगे बतया की उडीसा राज्य में राज्य सरकार द्वारा सभी कंपनी के सभी निवेशकों का जमा पैसा 10 हजार हो या 10 लाख समयबद्ध तरीके से वापस किया जा रहा है उसी तर्ज पर छ.ग राज्य में भी उसी तर्ज पर सभी कंपनी के निवेशकों का जमा पैसा वापस दिलाया जाए। नगरी सिहावा के 41218 निवेशकों ने संसद में पास हुए चिटफंड अधिनियम 2019 में पारित हुआ है कि किसी भी कंपनी में जमा किए निवेशकों का 180 दिन में जमा धन से 2 से 3 गुणा शासन द्वारा देने का प्रावधान है। ज्ञात हो कि कि नगरी ब्लॉक मे विभिन्न कंपनियों में 41218 निवेशकों ने 86,60,51,942 (छियासी करोड़ साठ लाख इन्कावन हजार नौ सौ बियालीस रुपये) अपने खून पसीने मेहनत की कमाई को जमा किये हैं। किन्तु वर्ष 2014-15 में सरकार द्वारा सभी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर चिटफंड घोषित कर बंद करा दिया गया एंव सरकार द्वारा वादा किया गया कि सभी चिटफंड कंपनी में निवेश किये निवेशकों का कंपनी के ऊपर कार्यवाही करते हुए पैसा वापस किया जाएगा। किन्तु पूरा 10 वर्ष बीत गया लेकिन निवेशकों को एक भी पैसा वापस नही मिला है। निवेशकों की जमा राशि समय पर नही मिल पाने की वजह से लोग आर्थिक तंगी एंव मानसिक तनाव में आकर कई लोग आत्महत्या कर चुके हैं। अनेक बेटा-बेटियों की शादी नहीं हुई है कई निवेशक अपने माता-पिता परिवाजनों का स्वास्थ्य खराबी के चलते सही समय पर उनका इलाज नही करा पा रहे है। अनेक निवेशक परिवारों के बच्चों को उच्च शिक्षा से वंचित होना पड़ रहा है। सभी निवेशकों ने जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सार्वा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपकर निवेशकों ने विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस अवसर पर निवेशक चंदनलाल साहू, मनोज प्रजापति, राधेश्याम साहू, भगवानसिहं साहू, जन्मेजय साहू, तेजकुमार साहू, रोहित साहू, सुरेंद्र साहू, मानसिंग साहू, प्रेम परिहार, हेमलाल साहू, छन्नू साहू, अशोक ग्वाले, लखन साहू, मनोहर ग्वाले, श्रीमती नीरला ग्वाले, चेतना बिसेन, संतोषी साहू, जमनाबाई, चैतीबाई, खेमीन साहू, कुमारीबाई, कीर्ति यादव, पुष्पा यादव, राधाबाई, वेदमति आदि उपस्थित थे।

चश्मा पहनकर फोड़े पटाके, आंख को मले नहीं : डॉ कुर्रे

हरिभूमि न्यूज ▶▶जीजामगांव

दीपावली में एक तरफ खुशियां होती हैं, तो दूसरी ओर अस्पतालों में हर साल ऐसे मरीज आते हैं, जिन्हें पटाखो की चिंगारी या बारूद के कण आंख में लगी होती है। कई बच्चे रॉकेट, बम और अनार जलाते वक्त झुक जाते हैं, जिससे चिंगारी सीधे आंख तक पहुंचती है और कार्निया जलने या पलक फटने तक की स्थिति बन जाती है।

डॉ. एलके कुर्रे नेत्र चिकित्सा सहायक अधिकारी सह प्रभारी ब्लॉक नेत्रदान अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चटौद ने बताया कि पटाखों से अगर आंख में चोट लग जाय तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। कई बार पटाखों के चलते कार्निया जलने, पलक फटने, आंख के अंदर खून जमने और स्थायी दृष्टि हानि जैसे परेशानियों के मामले सामने आते हैं। ऐसे मरीजों में बच्चे और युवा ज्यादा होते हैं। उन्होंने कहा कि पटाखे हमेशा जमीन पर रखकर और पर्याप्त दूरी बनाकर जलना चाहिए। बच्चों को कभी अकेले पटाखे जलाने नहीं दिया जाना चाहिए। आंखों की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक चश्मे का इस्तेमाल जरुरी है। पटाखे के छीटें आंख में चली जाय तो आंख धोये, मले नहीं, तत्काल नेत्ररोग विशेषज्ञ से ईलाज करवाएं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सहायक नेत्र चिकित्सा अधिकारी व जिला चिकित्सालय मे नेत्र रोग विशेषज्ञ पदस्थ हैं।

नये एसडीओपी विपिन रंगारी ने संभाला कार्यभार

- नगरी में पत्रकारों के साथ बैठक कर शांति, सुरक्षा एवं समन्वय को लेकर की विस्तृत चर्चा, दीपावली मिलन समारोह भी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶नगरी

धमतरी पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नवपदस्थ एसडीओपी विपिन रंगारी ने नगरी में पदभार ग्रहण करते ही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं सामुदायिक समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नगरी ब्लॉक के पत्रकारों के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया।

एसडीओपी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता जनता के बीच विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। पुलिस की छवि ऐसी हो कि नागरिक भय नहीं, बल्कि सुरक्षा का अनुभव करें। पुलिस और समाज के बीच बेहतर तालमेल ही अपराध मुक्त समाज की नींव है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र के पुलिस थानों को जिले के आदर्श थानों में शामिल करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएंगे। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जाएगी। अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी व्यवस्था और भी मजबूत की जाएगी। उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वाहन चालकों से अपील की गई कि वे यत्र-तत्र वाहन खड़ा न करें, बल्कि निर्धारित स्थानों पर ही कतारबद्ध तरीके से पार्किंग करें ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके। बैठक के दौरान पत्रकारों ने भी क्षेत्र में व्याप्त कुछ स्थानीय समस्याओं एवं जनहित के मुद्दों पर अपने सुझाव दिए। एसडीओपी ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और पुलिस प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर नगरी टीआई चक्रधर बाग, अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, उपाध्यक्ष आगेश हिरानी, सचिव अशोक संचेती, कोषाध्यक्ष उत्तम साहू, कुलदीप साहू, जितेन्द्र मंडावी, राजू पटेल, देवेंद्र सेन, नारद साहू,मोरज ध्वज सेन, अतुल पांडे,तरुण सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। बैठक के पश्चात दीपावली मिलन समारोह भी आयोजित किया गया।

प्रियांशी ने इंडियाज गॉट टैलेंट में अपने बैंड के साथ किया धमाकेदार प्रदर्शन

धमतरी। रायपुर की प्रतिभाशाली लोक गायिका प्रियांशी द रॉयल सिम्फनी एंड क्वायर बैंड के साथ इंडियाज गॉट टैलेंट में अपनी प्रस्तुति देने जा रही हैं। प्रियांशी ने बताया कि बैंड के लीडर्स ऋषभ महरोलिया, रमेश बाग, अजय चौहान और अंकिता साहू का उन्हें बहुत समर्थन मिला, जिससे वे अपने आप को स्थापित करने में सफल हुईं। प्रियांशी ने कहा, आज मैं इस बड़े मंच पर उनके साथ मिलकर परफॉर्म करने जा रही हूं, जो मेरे लिए गर्व की बात है। मैं अपने गुरुजनों और माता-पिता की बहुत आभारी हूं, जिनके कारण आज मैं यहां तक पहुंच पाई हूं।

पुलिस स्मृति दिवस पर धमतरी में अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

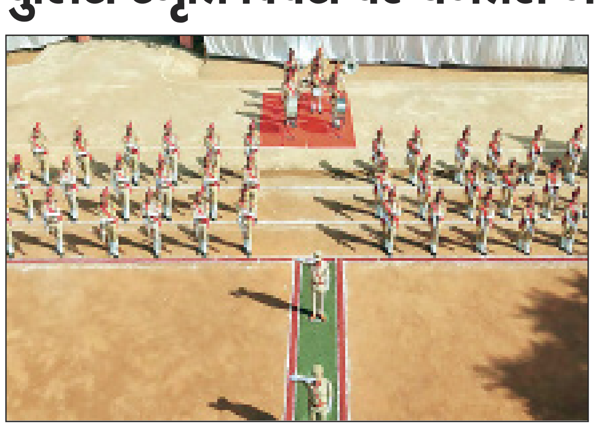

- शौर्य, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा को किया गया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

रक्षित केन्द्र रूद्री, धमतरी में सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस पर एक भावनात्मक एवं सम्मानपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमर शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अतुलनीय बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक नमन किया गया।

समारोह में पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने वर्ष 01 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त 2025 तक देशभर में शहीद हुए 191 वीर पुलिस जवानों के नामों का वाचन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, पुलिस जवानों का त्याग, समर्पण और बलिदान देश की सुरक्षा और नागरिकों की शांति के प्रति सर्वोच्च उदाहरण है। हमें गर्व है कि हम ऐसे शूरवीरों की परंपरा के उत्तराधिकारी हैं। इसके उपरांत रक्षित निरीक्षक दीपक शर्मा के नेतृत्व में जवानों ने शोक शस्त्र के साथ शहीद परेड कर शहीदों को सलामी दी। उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने मौन रखकर वीरगति को प्राप्त जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

1959 की स्मृति में श्रद्धांजलि : विदित हो कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले में शहीद हुए 10 पुलिस जवानों की स्मृति में हर वर्ष यह दिवस पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 191 शहीद जवानों को पूरे देशभर में सम्मान के साथ याद किया गया।

परिजनों से संवेदनापूर्ण मुलाकात कार्यक्रम में कलेक्टर अभिनाश मिश्रा, पूर्व विधायक एवं बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना डिपेन्द्र साहू, महापौर रामू रोहरा, वरिष्ठ अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, शहीद परिजन एवं नागरिकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत कलेक्टर एवं एसपी ने शहीद जवानों के परिजनों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और उन्हें विश्वास दिलाया कि प्रशासन सदैव उनके साथ खड़ा है।

कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त प्राध्यापक चंद्रशेखर शर्मा ने किया। अंत में सभी अतिथियों, अधिकारियों और नागरिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

अन्नकूट खिचड़ी प्रसादी ग्रहण करने जगदीश मंदिर में भक्तों का लगा तांता

- जगदीश मंदिर ट्रस्ट द्वारा परम्परागत मान्यताओं को संरक्षित कर आगे बढ़ाने की गई आस्था और श्रद्धा से व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶धमतरी

गोवर्धन पूजा के अवसर पर अन्नकूट खिचड़ी प्रसादी वितरण किए जाने की पारंपरिक मान्यता जगदीश मंदिर मठ मंदिर चौक में 102 वर्षों से चली आ रही है। इसे मंदिर ट्रस्ट द्वारा पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा, भाई बलभद्र सहित 33 कोटि देवी देवताओं की पूजा अर्चना करते हुए महाप्रसादी का भोग लगाने के बाद भक्तों को प्रसादी वितरण प्रारंभ किया। 11 बजे से खिचड़ी प्रसादी ग्रहण करने लोगों का तांता लगा रहा। गौरतलब है कि 1100 किलो खिचड़ी प्रसादी में अन्नकूट (चावल), मूंग की दाल, सहित विभिन्न प्रकार की हरी सब्जियों के साथ ही पंचमेवा का मिश्रण करते हुए भगवान के स्वादिष्ट प्रसादी को तैयार की जाती है। इस हेतु एक सप्ताह पूर्व से ट्रस्ट के सदस्य सहित उससे जुड़े लोग सेवादारी के रूप में योगदान देते हैं। खिचड़ी प्रसादी के वितरण के अवसर पर शहर के विभिन्न समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिकों तथा भक्तगण द्वारा मंदिर प्रांगण में सेवाएं समर्पित की जाती है। जहां पहुंचने वाले भक्तों का अनुशासन भी प्रशंसात्मक रहता है। इस वर्ष पूर्व की तरह टिफिन व्यवस्था को विस्तार देते हुए मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो इस हेतु विभिन्न समिति बनाई गई थी। सभी ने उमंग एवं उत्साह भक्ति भाव के साथ उक्त आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। श्री जगदीश मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष किरण कुमार गांधी, सचिव प्रकाश गांधी, कोषाध्यक्ष लखमशी भानुशाली, उपाध्यक्ष सत्यनारायण राठी, सहसचिव मोहन अग्रवाल, ट्रस्टीगण श्यामसुंदर अग्रवाल, डॉ. हीरा महावर, श्याम अग्रवाल, लक्ष्मीचंद बाहेती, अजय अग्रवाल, गोपाल प्रसाद शर्मा, मदन मोहन खण्डेलवाल, विपिन पटेल, हरषद मेहता, बिहारीलाल अग्रवाल, दयाराम अग्रवाल, रमेश लाट, बालकृष्ण शर्मा, भरत सोनी, अनिल मित्तल, विशेष आमंत्रित सदस्य विनोद अग्रवाल, रवि अग्रवाल, भक्तगण प्रसादी वितरण में संजय अग्रवाल, दिलीप सोनी, प्रमोद अग्रवाल, प्रीतेश गांधी प्रदेश सह कार्यालय मंत्री भाजपा छत्तीसगढ़, विवेक पटेल, पंकज महावर, राहुल महावर, निर्भय महावर, अजीत (राजा) खंडेलवाल, प्रभाष अग्रवाल, राजेश शर्मा, दिलीप गांधी, जयेश मेहता, अनुराग महावर, मयुर राठौर, राजेंद्र शर्मा, सिद्धार्थ लाट, शुभम बाहेती, जतिन सोनी, प्रियंक प्रकाश गांधी, महेन्द्र पंडित, हर्ष अग्रवाल, गौरव मित्तल, गौरव शर्मा, डॉ. विकास अग्रवाल, विवेक गोयल, जितेन्द्र शर्मा, भरत भानुशाली, प्रियेश अग्रवाल, कल्पेश मेहता, प्रियंक विनोद गांधी, राकेश अग्रवाल, हितेश अग्रवाल, एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

सिलौटी स्कूल में हुआ सुआ नृत्य

कोर्रा(भखारा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलौटी में हमारी संस्कृति हमारी धरोहर के तहत धनतेरस पर्व पर सामूहिक सुआ नृत्य का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य बी पदमा राजेश, अजय यादव, जयनारायण सोनवानी, संतोष जैन, संतोष ध्रुव, चम्पेश्वर साहू, युगल सेन, निर्भय साहू, हुलास साहू, नीलम साहू, हितेश साहू, चित्ररेखा यादव, आर पोर्ते, भोजराम साहू समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अंवरी में धूमधाम से मनाया गया दीपावली पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶अंवरी

अन्धकार पर प्रकाश की विजय का पर्व दीपावली पर इस वर्ष दो दिनों तक धन की देवी माँ लक्ष्मी की पूजा की गई। दिवाली अंचल के कई गाँव में 20 अक्टूबर को मनाया गया तो कुछ गाँव में 21 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजा की गई। सभी लोगों ने अपने घर में वाहनों एवं अनेक प्रकार के धन की पूजा की।

वहीं अंचल में आदिवासी ध्रुव गोड़ समाज द्वारा 21 अक्टूबर को ईशर गौरा गौरी महोत्सव मनाया गया। महिलाओं एवं लड़कियों ने घर घर जाकर सुआ नृत्य किया गया। वहीं गौरा-गौरी की शोभायात्रा निकाली गई।

किसानों ने पालतू मवेशियों को खिचड़ी खिलाई

अंचल के किसानों ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर मवेशियों को नहला धुला कर खिचड़ी खिलाई गई। गांव के हेमंत साहू, उदय प्रताप साहू, उमेश साहू, लोकू साहू, थानेश्वर साहू, रोशन साहू, ईश्वर साहू, केशव साहू, पुष्पेन्द्र साहू, लक्की साहू, मुकेश साहू, गुलशन साहू ने अपने मवेशियों को खिचड़ी खिलाई। अंवरी में यादव समाज के भाईयों द्वारा दोहा पारकर गांव के गौवंश को सोहाई बांधकर गऊमाता से गोवर्धन खुंदवाकर एक दूसरे को गोबर से तिलकर कर गोवर्धन पूजा का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

बिरेतरा की छात्रा ने दी गोधन सुरक्षा का संदेश

धमतरी। गोवर्धन पूजा के अवसर पर बिरेतरा की छात्रा हीना सिन्हा कक्षा दसवीं ने रंगोली के माध्यम से गोधन सुरक्षा का संदेश दिया। गोधन केवल किसानों के लिए ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के दिनचर्या में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

खबर संक्षेप

राजपुर में मातर महोत्सव आज

मगरलोड। ग्राम राजपुर में यादव समाज एवं ग्रामवासियों के सहयोग से 23 अक्टूबर गुरूवार को मातर महोत्सव का आयोजन रखा गया है। जिसमें विक्रम बेताल अखाड़ा दल सोनपैरी का प्रदर्शन होगा। रात्रिकालीन कार्यक्रम में शंभू गौरा सांस्कृतिक लोककला मंच सोनेवारा की प्रस्तुति होगी। यह जानकारी गिरवर यदु, सोमनाथ यादव, टिकेश यादव, हेराम यादव व कमल यादव ने दी है।

कण्डेल में मातर महोत्सव एवं राउत नाचा प्रतियोगिता आज

पुरी। ऐतिहासिक गौरव ग्राम कण्डेल में मातर महोत्सव एवं राउत नाचा प्रतियोगिता का आयोजन 23 अक्टूबर को किया गया है। मनोरंजन के लिए रात्रिकालीन कार्यक्रम ममता चन्द्राकर के गीत संगीत से सजी पारम्परिक लोकगीतों की प्रस्तुति लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम चिन्हारी का आयोजन सम्राट मातर उत्सव इंदिरा आवासपारा एवं समस्त ग्रामवासी कण्डेल द्वारा किया गया है। राउत नाचा प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है, जिसमें आकर्षक पुरस्कार रखा गया हैं। प्रथम पुरस्कार 1001 रु., द्वितीय 701 रु, तृतीय 501 रु. रखा गया है एवं सभी प्रतिभागियों को वेशभूषा में आना अनिवार्य है।

शहर जैसा उजियारा फैलाने गांवों में लगे सोलर सिस्टम का मेंटनेंस नहीं

लाखों की लागत वाले हाईमास्ट लाइट बने शो पीस

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

रात में भी शहर जैसा उजियारा गांवों में फैलाने के लिए लाखों रुपए की लागत से सोलर हाईमास्ट लाइट लगाए गए हैं, लेकिन पांच से छह साल पहले लगे ये लाइट मेंटनेंस के अभाव में केवल शो पीस बन कर रह गए हैं। सरपंच सचिव सहित अन्य ग्रामीण अपने स्तर पर इन लाइटों को बनवाने का प्रयास भी कर रहे हैं। किसी को टेक्निशियन नहीं मिल रहा है तो किसी का फंड की दिक्कत है। इन समस्याओं के चलत इन लाइटों की मरम्मत नहीं हो पाई है।

गांवों में भी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, लेकिन गांवों में इन सुविधाओं के मेंटनेंस को लेकर समस्या है। इसका जीता जागता उदाहरण हाईमास्ट लाइट हैं, जो करीब छह साल पहले गांवों में क्रेडा के

सहयोग से लगाए गए थे। ये हाईमास्टम लाइट गांव के मुख्य चौक, रंगमंच जैसे स्थानों पर लगाए गए हैं। हाईमास्ट लाइट लगाने वाली कंपनी ने मेंटनेंस की भी जिम्मेदारी ली थी। पांच साल मेंटनेंस करने का एग्रीमेंट किया गया था, लेकिन हाईमास्ट लाइट लगाने के कुछ माह बाद ही कम्पनी काम छोड़कर चली गई। समस्या इसके बाद शुरू हुई। हाईमास्ट लाइट लगाए जाने के बाद इनका मेंटनेंस ही नहीं किया गया। अब स्थिति यह है कि अधिकांश गांवों में हाईमास्ट लाइट पूरी तरह से खराब हो चुके हैं। किसी की बैटरी खराब हो गई है तो किसी की एलईडी उड़ गई है। वायरिंग जैसी छोटी छोटी समस्याएं भी दूर नहीं हो पा रही है। सरपंच सचिवों ने बताया कि कई बार वे मेंटनेंस के लिए विभाग के अधिकारियों को बोल चुके हैं, लेकिन सालों से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सोलर सिस्टम का खर्च ज्यादा

कई गांवों में सरपंच, सचिव ने हाईमास्ट लाइट की मेंटनेंस का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम होने के कारण इसके पाट्र्स काफी महंगे मिलते हैं। इसकी बैटरी, सोलर पैनल, एलईडी लाइट काफी महंगी है, जिसके कारण उन्हें हाथ खीचना पड़ा। इस सिस्टम के टेक्निशियन भी आसानी से नहीं मिलते हैं। कई बार सोलर सिस्टम को इलेक्ट्रिक सिस्टम से रिप्लेस करने की प्लानिंग भी की गई, लेकिन हाईमास्ट की उंचाई इतनी अधिक है कि वहां तक वायर पहुंचना काफी कठिन है। इसके अतिरिक्त पूरा सिस्टम ही बदलना पड़ेगा। इस कारण अधिकांश गांवों में हाईमास्ट लाइट की ओर ध्यान देना ही बंद कर दिया गया है।

क्रेडा से हो सकता है काम

अक्षय उर्जा अभिकरण यानि क्रेडा मेंटनेंस कार्य को आसानी से कर सकती है। इसमें भी समस्या फंड की है। क्रेडा के पास अतिरिक्त कोई फंड नहीं होता है। ऐसे में यदि पंचायत अपने फंड का उपयोग कर क्रेडा की सहायता से मेंटनेंस कार्य करवाए तो हाइमास्ट लाइट बन सकते हैं और इनका सदुपयोग भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि गांवों में स्ट्रीट लाइट का बिल काफी अधिक आता है। चौक चौराहों पर लगे हाईमास्ट लाइट काफी उन्नत किस्म के हैं, जो काफी बड़ा एरिया कवर करते हैं। इन लाइटों को फिर से जलाया जाए तो बिजली बिल में काफी कमी लाई जा सकती है।

सीटर बालक छात्रावास में चोरी की वारदात

- दो कर्मचारियों के घर से सामान पार
- लक्ष्मी पूजा की रात चोरी को दिया अंजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭नगरी

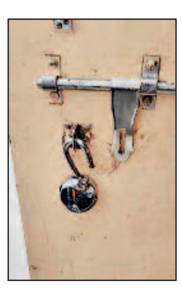

नगरी नगर के राईसपारा वार्ड क्रमांक 8 स्थित 250 सीटर बालक छात्रावास संचालित हो रहा है जिसमें लक्ष्मी पूजा की रात चोरों ने वारदात को अंजाम देते हुए दो कर्मचारियों के घरों से कई कीमती सामानों की चोरी कर ली।

कर्मचारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रावास परिसर में निवासरत दो कर्मचारी रुदेशवर धुर्वा, श्रवण यादव लोग दीपावली पर्व मनाने अपने घर चले गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने दोनों घरों का ताला तोड़कर टीवी, कंप्यूटर, मोबाइल, कपड़े, तेल, साबुन, जूते सहित अन्य घरेलू सामानों पर हाथ साफ कर दिया। वहीं अगले दिन जब कर्मचारी लौटे तो घर का ताला टूटा हुआ मिला और चोरी की घटना का पता चला। घटना की सूचना तत्काल थाना नगरी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

मां अंगारमोती दाई की ऐतिहासिक मड़ई कल

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

गंगरेल स्थित मां अंगारमोती दाई की ऐतिहासिक मड़ई शुक्रवार को होगी। इसी के साथ अंचल की संस्कृति और परंपराओं का आगाज हो जाएगा। आदिशक्ति मां अंगारमोती ट्रस्ट के अध्यक्ष जीवराखन मरई ने बताया कि परंपरानुसार दीपावली के बाद प्रथम शुक्रवार को मां अंगारमोती मड़ई का आयोजन किया जाता है। मंड़ई मेला को लेकर ट्रस्ट ने सारी तैयारी कर ली है। 52 गांव के देवी देवताओं एवं सिरहा बैगा को आमंत्रण दिया जा चुका है। माता के दरबार में इस दिन अंचल सहित दूर-दूर के देवी देवता शिरकत करेंगे। कांकेर, केशकाल आदि क्षेत्र के आंगा देवता के अलावा अंचल के डांग डोली, देव विग्रह, काली कंकाली, कांटा बैगा, डोकरा बैगा

सहित अनेक देवी देवता एकत्रित होंगे, जिसका दर्शन करने प्रदेश भर के लोगों का आगमन होगा। मां अंगारमोती सर्वमनोकामना पूर्ण करने वाली वन देवी है जिसकी ख्याति देश प्रदेश में फैली हुई है। उन्होंने लोगों को अंगारमोती मड़ई में उपस्थिति की अपील की है।

निःसंतान महिलाएं संतान सुख के लिए पड़ेंगे परण

मां अंगारमोती के पुजारी ईश्वर नेताम ने बताया कि मां अंगारमोती श्रद्धा के साथ मांगी गई सभी मुरादों को पूरी करती हैं। यहां मड़ई के दिन परण पड़ने की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है जिसमें निःसंतान दंपतियों को संतान सुख की प्राप्ति प्रमुख है। उन्होंने बताया कि मड़ई के दिन सैकड़ों महिलाएं देवी के दरबार में पेट के बल लेटकर, संतान प्राप्ति की अर्जी लगाते हैं। सिरहा बैगा माता के डांग को लेकर महिलाओं के ऊपर चलकर आशीर्वाद देते हैं। इस परंपरा में अनेक महिलाओं की सूनी गोद भर जाती है। संतान सुख के लिए मन्नत रखने वाले महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

1.74 लाख का माल बरामद, चांदी के जेवर, नगदी और बाइक जप्त, कुछ ही दिनों में पकड़ा गया चोर

नगरी पुलिस ने किया 2.65 लाख की चोरी का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नगरी

थाना नगरी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुछ दिनों पूर्व हुई 2.65 लाख रुपए की चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 1.74 लाख रूपए मूल्य का चोरी का माल बरामद किया है। बरामद सामान में चांदी के जेवर, नगदी रकम और चोरी की रकम से खरीदी गई मोटरसाइकिल शामिल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनोज जैन पिता स्व. केवलचंद जैन, निवासी वार्ड क्रमांक 10, लाइनपारा नगरी ने थाना नगरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 7 अक्टूबर

2025 की रात जैन मंदिर में आयोजित भक्ति कार्यक्रम के दौरान उनके घर में अज्ञात चोरों ने 2.65 लाख रु मूल्य के सामान की चोरी कर ली थी। चोरी गए सामान में 2.15 लाख रु नगद, एक चांदी का करधन, आठ जोड़ी चांदी की पायल और एक चांदी का सिक्का शामिल था। रिपोर्ट पर थाना नगरी में अपराध क्रमांक 47/2025 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक धमतरी के कुशल निर्देशन एवं नगरी थाना प्रभारी चक्रधर बाग के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर सूचना के आधार पर तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिनसे अपराध स्वीकार कराया गया।

आरोपी एवं बरामदगी विवरण तामेन्द्र यादव पिता दुलचंद यादव (उम्र 19 वर्ष), निवासी जंगलपारा, रानी दुर्गावती चौक, नगरी से चोरी किए गए चांदी के जेवर (करधन, पायल, सिक्का) एवं 20,000 नगद कुल 70,000 मूल्य का माल बरामद किया गया। पुष्पजीत उर्फ जीतू खरे पिता किरण खरे (उम्र 19 वर्ष), निवासी जंगलपारा, दुर्गावती चौक, नगरी से चोरी की रकम से खरीदी गई हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (काला रंग), मूल्य 79,000 जप्त किया गया।

लक्की गुप्ता पिता संतोष गुप्ता (उम्र 19 वर्ष), निवासी जंगलपारा, स्कूल के पास, नगरी से 25,000 नगद बरामद हुआ। कुल 1.74 लाख मूल्य का चोरी का माल विधिवत गवाहों के समक्ष जप्त कर पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। जिसमें नगरी पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से क्षेत्र में नागरिकों के बीच पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हुई है।

मातर उत्सव में दिखेगी छत्तीसगढ़ की संस्कृति

- मेला मड़ई की होगी शुरूआत, गांवों में हो चुकी है तैयारी पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

पांच दिवसीय दीपावली त्यौहार के अंतिम दिन गांव गांव मातर उत्सव का आयोजन किया जाएगा। गांवों में इसकी तैयारी जोरों से चल रही है। इसी के साथ मड़ई मेला का सिलसिला शुरू हो रहा है। अंचल की पहली मड़ई मां अंगारमोती के दरबार में 24 अक्टूबर को होगी।

इस साल तिथि लेकर संशय के चलते दिवाली का त्यौहार दो दिन मनाया गया। इसके बाद बुधवार को अन्नकूट का उत्सव मनाया गया। दिवाली त्यौहार की अंतिम कड़ी में गांव गांव मातर उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान गांवों में विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जाएंगे। देवी देवताओं की डांग डंगनी, आंगा देव की सवारी निकलेगी। गांवों में गोवंशियों के अच्छे स्वास्थ्य और उन्नति के लिए साहड़ा देव की विशेष पूजा की जाएगी। कुम्हड़ा ढुलाई की रश्म निभाकर कुम्हड़ा को गोवंशियों के पैरों से तुड़ाया जाएगा। इसी कुम्हड़ा का उपयोग कर और जिमीकंद, शकरकंद आदि को मिलाकर खिचड़ी पकाई जाएगी और लोगों में खिचड़ी का वितरण किया जाएगा।

फाइल फोटो

लोगों को खिचड़ी का प्रसाद भी बांटा जाएगा। इस दौरान अखाड़ा, राउतनाचा, करतब सहित कई प्रकार के आयोजन किए जाएंगे।

50 से ज्यादा गांवों में मातर

देमार, भानपुरी, भटगांव, कंडेल, देवपुर, कांशीपुरी सहित जिले के 50 से ज्यादा गांवों में मातर का आयोजन किया जाएगा। मातर उत्सव में मेला का भी आयोजन होता है। कई गांवों से मेहमान मातर में शामिल होते हैं और मेले में खरीददारी भी करते हैं। इसकी तैयारी गांवों में शुरू हो गई है। कई गांवों में तो मेले के लिए जगह आरक्षित करने के लिए व्यवसायियों ने स्टाल भी लगा ली है। मातर उत्सव के साथ ही अंचल में मेला मड़ई का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। उल्लेखनीय है माता अंगारमोती के दरबार गंगरेल में परंपरा के अनुसार दीपावली के बाद पहले शुक्रवार को मड़ई का आयोजन होगा।

भाईयों की होगी तिलक आरती

पांच दिवसीय उत्सव के अंतिम दिन मातर के साथ साथ भाईदूज का त्यौहार भी मनाया जाएगा। इस दिन भाई अपनी बहनों के घर जाएंगे, जहां पर बहनें अपने भाइयों की तिलक आरती कर उनकी लंबी उम्र की कामना करेंगी। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन यमराज अपनी नाराज बहन यमुना को मनाने के लिए उसके घर गए थे। तब से भाईदूज की परंपरा चली आ रही है। मान्यता है कि इस दिन अपनी बहन के घर जाकर आरती तिलक करवा कर भोजन करने वाले भाईयों को मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है।

काशीपुरी में मातर आज

पुरी। कोसरिया यादव समाज एवं समस्त ग्रामवासी के सहयोग से ग्राम काशीपुरी में आज मातर महोत्सव का आयोजन रखा गया है। रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए ग्राम जीका डोंगरगढ़ राजनांदगांव का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन समिति के समस्त सदस्य इस महोत्सव के तैयारी में जुटे हुए हैं। अध्यक्ष त्रिभुवन यादव, सचिव रेखराम यादव, सदस्य में कमलेश यादव, डंडेश्वर यादव, प्रताप यादव, रामप्रसाद यादव, सेवाराम खेदुराम ने लोगों से मातर उत्सव में शामिल होने की अपील की है।

टीवी समेत इलेक्ट्रॉनिक सामान खाक, कमरे में काले धुएं की जमी परते

चाइना लाइट की वायरिंग हुई शार्ट तो घर में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭कुरूद

भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम जोरातराई (सिलौटी) से एक घर में दीवाली की दूसरी रात आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह आग घर को सजाने लगाये गये चाइना झालर लाइट के कारण हुई है। एक ही एक्सटेंशन बोर्ड पर टीवी, डीटीएच रिसीवर के साथ चाइनीज लाइटें लगाने से बिजली का लोड बढ़ जाने और ओवरलोड हो जाने के कारण हुई है। आग लगने से हजारों रुपये का नुकसान होने की खबर है।

मिली जानकारी अनुसार मंगलवार की बीती रात करीब दो बजे ग्राम पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायक कुलेश्वर साहू पिता लीलाराम साहू के घर में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद धुंए का गुबार दिखने लगा और वायरिंग जलने की बदबू उठने लगी। अपने अपने कमरे में सोये परिवार के सदस्यों की आग लगने की जानकारी तब हुई जब गांव में गौरी-गौरा की बारात स्वागत करने वाले पहुंचे। तब उन्होंने पूरे कमरे में घर के बैठक कक्ष में काले धुएं और भभकती आग देख अवाक रह गये। तुरंत इसकी सूचना पड़ोसियों को दी गई और बिजली का मेन स्वीच बंद कर आग बुझाया गया। तब तक टीवी, डीटीएच रिसीवर जलकर खाक हो गया था और पूरे कमरे में काले धुएं की मोटी परतें जम गई थी।

कम गुणवत्ता वाले चाइना लाईट बना आग लगने का कारण

परिवार के सदस्य कमलेश्वर साहू ने बताया कि उन्हें आग लगने की जानकारी रात करीब ढाई बजे हुई। कारण पूछे जाने पर बताया कि टीवी और डीटीएच लगे एक्सटेंशन बोर्ड पर चाइना झालर लाइट का प्लग लगाया था जो कि ओवरलोडिंग के कारण गर्म हो गया और जिससे उनसे जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक समान जलकर खाक हो गया। आग लगने से उन्हें करीब 20,000 रुपये के आसपास का नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि पक्की छत होने के कारण आग एक ही कमरे में ही सीमित रही नही तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

चाइनीज लाइट से आग लगने के मुख्य कारण

गौरतलब हो कि एक ओर सरकार वोकल फॉर लोकल को प्राथमिकता देने लगातार जनजागरण कर रही है लेकिन वहीं दूसरी ओर लोग कम लागत में ज्यादा सजावटी समान खरीदने के चक्कर में अभी भी चाइना के बने कम गुणवत्ता वाले पुर्जे खरीदने में पीछे नही हट रहे है जिसका खामियाजा उन्हें इस तरह की घटना का सामना करके उठाना पड़ रहा है। बताया जाता है कि सस्ते चाइनीज लाइटों में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक और इंसुलेशन अक्सर खराब गुणवत्ता के होते हैं।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

बिरकोनी में एक दिवसीय संगीतमय श्रीरामचरित मानस संगोष्ठी 28 को

बिरकोनी। ग्राम बिरकोनी बाजार चौक में 28 अक्टूबर मंगलवार को एक दिवसीय संगीतमय श्रीरामचरित मानस संगोष्ठी का आयोजन रखा गया हैं। आयोजक साधनदेवी रामकुमार साहू द्वारा प्रातः 10 बजे पूजा-अर्चना से शुभारंभ किया जाएगा। 11 बजे मानस प्रवचन रेशमी मानिकपुरी द्वारा प्रसंग-बाल /132 जेहि बिधि होइहि परम हित प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए यामिनी साहू,सोनिया साहू, धनकुमारी साहू जुटे हुए है।

नयापारा कला में गौरा-गौरी विसर्जन

अरंड (पिथौरा)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्योहार गीत गाते हुए ग्राम नयापारा कला में गाजे बाजे के साथ गौरी गौरा पूजा अर्चना कर विसर्जित किया गया विसर्जन में ग्राम के सरपंच शशि दीवान, उप सरपंच अग्निबाई ध्रुव, गंगाराम दीवान, भोजराम ध्रुव, देवी सिंह ठाकुर, राजेश यादव, लीलाधर यादव, भागीरथी दीवान, घनश्याम पटेल, हरिशंकर, मिथलेश साहू, चैन लाल पटेल, भोज राम ध्रुव बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

खरोरा में गौरा-गौरी विवाह, गोवर्धन पूजा में जुटे ग्रामीण

महासमुंद। ग्राम खरोरा में दीपावली पर्व पर शहीद स्मारक खरोरा में अमर वीर शहीदों के दीप जलाकर श्रद्धांजलि दी गई और खरोरा में गौरा-गौरी विवाह, गोवर्धन पूजा, ग्रामीण अंचल व देश की खुशी, सुख समृद्धि के साथ फसलों की अधिक पैदावार के लिए ग्रामीणों ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। ग्रामीणों ने गौरा-गौरी, शिव-पार्वती की पूजा की। गांव की महिलाएं एक स्वर में गीत गाते नजर आई। साथ ही ढोलक, डमरु, दफड़ा, गुदुम जैसे वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य किया गया। गौरा-गौरी की मूर्ति की स्थापना करने के बाद शादी की रस्म पूरी की गई। रात में ही बारात निकाली गई और सुबह शोभायात्रा निकाल कर विसर्जन किया गया। गांव में पूरी रात गौरा-गौरी प्रतिमा बनाकर पूजा किया। सुबह गाजे-बाजे के साथ तालाब में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। रास्ते में श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान काफी संख्या में लोग भगवान गौरी-गौरा की पूजा के लिए उमड़े।

दीपोत्सव पर पालिका में अध्यक्ष ने की मां लक्ष्मी की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने दीपावली के पावन अवसर पर अध्यक्ष कक्ष में मां लक्ष्मी की पूजा कर कर्मचारियों के साथ खुशियां बांटी। इस दौरान उनकी माता सीतादेवी साहू भी पूजा में शामिल हुईं। साहू ने मां लक्ष्मी से नगर वासियों के जीवन में सुख समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि दीपावली हिंदू संस्कृति का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। दिवाली का सबसे प्रमुख पौराणिक कथा भगवान राम से जुड़ा हुआ है। यह भगवान राम की अयोध्या वापसी का पर्व है जहां

लोगों ने उनकी स्वागत के लिए दीयों की कतारें सजाई थी। जो अज्ञानता और अंधकार को दूर करने का प्रतीक है। यह त्यौहार भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का एक जीवंत चित्रण है, जो हमें सदैव आशा और अच्छाई की विजय का संदेश देता है। भगवान राम तथा माता लक्ष्मी से यही प्रार्थना है कि सभी के जीवन में सुख समृद्धि का संचार हो। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पार्षद नीरज चंद्राकर, जितेंद्र मोहंती, हीरा चौहान सहित कर्मचारी अधिकारी गण उपस्थित थे।

अछरीडीह में धूमधाम से निकली गौरी-गौरा की शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

ग्राम अछरीडीह में लक्ष्मी पूजा के दूसरे दिन को रात्रि 4 बजे धूमधाम से गौरा-गौरी के विवाह का उत्सव मनाया गया। इसमें मोहल्ले के लोगो ने परंपरानुसार भगवान शिव-पार्वती के विवाह की रस्में निभाई गई। इसके पहले निवास स्थल में ले जाकर पूजा स्थल में गौरा भगवान शंकर व पार्वती गौरी के साथ नंदी, भीमसेन की आकर्षक प्रतिमाएं बनाई गई। रात में दोनों प्रतिमाओं के साथ भगवान शंकर व पार्वती के विवाह की रस्में निभाई। बाजार चौक और

भाटापारा वार्ड में गौरा-गौरी पर्व की धूम रही। इस दौरान लोगों ने धूमधाम से गौरा-गौरी की बारात व शोभायात्रा निकली गई। जिसमें सभी लोगों ने हिस्सा लिया। सोमवार को दिनभर गौरा-गौरी को चबूतरा में विधिविधान से पूजा अर्चना कर, एक दिन रोककर मंगलवार को पारंपरिक बाजे-गाजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। पांच जगह से महिलाओं, पुरुषों, युवक, युवतियों द्वारा सिर पर शिव पार्वती को लेकर शोभायात्रा निकाली। जो आकर्षक साज सज्जा के साथ पूजा पाठ हुआ। सुबह सात बजे ग्राम के मुख्य मार्ग से होते हुए। गौरी गौरा के जयकारे व आर्शीवाद के साथ अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। जिसमें भक्तों ने आपने हाथों को रस्सी से सोंटा लिया, जिसके बाद कोडार में विसर्जन हुआ।

गौरी-गौरा का विसर्जन

अरंड (पिथौरा)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्योहार गौरी गौरा पूजा अर्चना के पश्चात विसर्जित किया गया। विसर्जन में ग्राम के सरपंच दिगंबर पटेल, शिवचरण ध्रुव, देवराज सिंह ठाकुर, कौतुक पटेल, राम चरन ध्रुव, गंगाधर निर्मलकर, कार्तिक राम पटेल, हेम सिंह साहू, पप्पू राम ध्रुव, भोजराज, केसर भोई, देवकुवर बाई ध्रुव, गीता बाई ध्रुव, शिव कुमारी बाई ध्रुव, मिलो बाई ध्रुव, लीलाबाई दीवान रेवती बाई कृष्णा बाई ध्रुव, दुलारी बाई ध्रुव, शीला बाई ध्रुव, रमा बाई ध्रुव, बेहतरीन बाई ध्रुव, अनीता बाई ध्रुव, हार मोतीबाई ध्रुव, सुनीता बाई ध्रुव बड़ी संख्या में महिलाएं व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

निधन

कुंती चंद्राकर

बेलसोंडा। ग्राम बेलसोंडा निवासी कुंती चंद्राकर (75) पति बोधन प्रसाद चंद्राकर का निधन हो गया हैं उनके अंतिम यात्रा में गणमान्य नागरिक शामिल हुए

जिले के 323 हितग्राही 26 नवंबर को तीर्थ यात्रा के लिए होंगे रवाना

महासमुंद। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत जिले के हितग्राहियों के लिए तीर्थ स्थान प्रयाग, काशी विश्वनाथ एवं हनुमान मंदिर यात्रा तिथि 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित की गई है। योजना अंतर्गत 26 नवंबर को 323 हितग्राही यात्रा के लिए जिला मुख्यालय स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल से रवाना होंगे। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हितग्राहियों को दोपहर 12 बजे तक उपस्थित कराना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के 242 हितग्राही जिसमें जनपद पंचायत महासमुंद अंतर्गत 53, बागबाहरा के 46, पिथौरा के 53, बसना के 44 एवं सरायपाली के 46 हितग्राही तथा एवं शहरी क्षेत्र के 81 हितग्राही जिसमें नगर पालिका महासमुंद अंतर्गत 36, बागबाहरा के 13, सरायपाली के 14, नगर पंचायत पिथौरा के 6, बसना के 7 एवं नगर पंचायत तुमगांव के 5 हितग्राही शामिल है।

अंचल में अन्नकूट गोवर्धन पूजा पर्व हर्षोलास के साथ मनाया गया

नर्रा। दीपोत्सवों का पर्व कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष त्रयोदशी धनतेरस नरक चतुदशी लक्ष्मी कुबेर पूजन दीपावली अमावस्या पर घर आंगन दीप से रौशन हुए। अगले दिन कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के दिन अन्नकूट गोवर्धन पूजा का पर्व हर्षोलास के साथ मनाया गया। इस दिन घरो में लोग इसके प्रतीक के रूप में गाय की गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर पूजा की जाती है। जब भगवान श्री कृष्ण ने ब्रजवासीयों को मूसलाधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे कनिष्ठ छोटी उंगली पर उठा कर रखा था और गोप गोपिकाएं उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे। सातवें दिन भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को नीचे रखा और प्रति वर्ष गोवर्धन पूजा करने अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी तभी से यह उत्सव अन्नकूट के नाम से जाना जाता है।

छग के खनिज संपदाओं पर भाजपा के उद्योगपति मित्रों की गिद्ध दृष्टि : विनोद

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ में लगातार भाजपा के केंद्रीय नेताओं के आगमन को लेकर पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश के हरे भरे जंगल व खनिज संपदा पर इनकी निगाह पड़ गई है। अडानी जैसे बड़े व्यापारियों के लिए राज्य के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। भाजपा के विकास का प्रमुख मॉडल खनिजों, ज़मीन और पानी के बेलगाम निजी दोहन है। छत्तीसगढ़ में 28 खनिजों के भंडार हैं, जिनमें 52 बिलियन टन से अधिक कोयला (भारत के भंडार का 18%), 2.7 बिलियन टन उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क (भारत के भंडार का 19%), और भारत के 37% से अधिक टिन अयस्क भंडार शामिल हैं, इसके अलावा बॉक्साइट, चूना पत्थर, डोलोमाइट, क्वार्टजाइट आदि भी हैं। इन बेशकीमती खनिज संपदा पर अडानी जैसे उद्योगपति भाजपा के सहयोग से कब्जा जमा रहे हैं।

चंद्राकर ने कहा कि बस्तर के खनिज पर भाजपा की सरकार में बस्तर और बस्तर वासियों का शोषण शुरू हो गया है। बस्तर के आम आदमी के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी आवश्यकताओं पर कोई काम नहीं हो रहा। बस्तर सहित पूरे प्रदेश के गरीब व मध्यम वर्ग की उत्थान के लिए कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में जो योजनाएं बनाई थी, भाजपा की सरकार ने उन तमाम योजनाओं को बंद कर दिया।

अंधेरे में गुज़री 16,000 से अधिक एनएचएम कर्मचारियों की दीपावली, नहीं मिला वेतन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

दीपावली जैसे बड़े त्यौहार पर जहां पूरा प्रदेश खुशियों में सराबोर है, वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हजारों कर्मचारी इस बार मायूसी और आर्थिक तंगी के बीच त्योहार मनाने को विवश हैं। राज्यभर में 16,000 से अधिक एनएचएम कर्मचारी-जो उपस्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दिन-रात सेवाएं दे रहे हैं- उन्हें अब तक वेतन प्राप्त नहीं हुआ।

जिला अध्यक्ष राम गोपाल खूंटे ने बताया कि हाल ही में कर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्रीय मॉंगों को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन किया था, जिसमें जेल भरो आंदोलन, जल सत्याग्रह और चुनरी यात्रा जैसे शांतिपूर्ण आंदोलन शामिल रहे। किंतु सरकार की ओर से अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। शासन द्वारा 16 अक्टूबर को सभी विभागों को यह निर्देश जारी किए गए थे कि सामान्य प्रशासन विभाग 18 अक्टूबर तक सभी कर्मचारियों का वेतन भुगतान सुनिश्चित करे, परंतु इन निर्देशों के बावजूद अब तक अधिकांश कर्मचारियों के खाते खाली हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे पहले से ही अल्प वेतन में परिवार का गुजारा कर रहे हैं, और इस बार वेतन न मिलने के कारण न तो दीपावली की ख़रीदारी कर पाए और न ही अपने बच्चों के लिए मिठाई या नए कपड़े ले सके। स्वीकृति के बाद भी 5 प्रतिशत वेतनवृद्धि का लाभ अधिकांश जिलों में नहीं दिया गया है। अधिकारी "बजट की कमी" का हवाला दे रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में रोष और निराशा गहराती जा रही है। इसी के साथ हाल ही में हड़ताल के दौरान बर्खास्त किए गए 25 कर्मचारियों की बहाली का मामला भी अब तक लंबित है।

विद्यार्थियों के अपार आईडी निर्माण हेतु शिविर लगाने के निर्देश

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विद्यार्थियों के अपार आईडी निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए जिलेभर में शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिविरों में विद्यार्थियों के अपार आईडी निर्माण के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे ने बताया कि अपार आईडी निर्माण हेतु सभी दस्तावेजों की 'मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है। व्हाट्सएप अथवा फोटोकॉपी स्वीकार नहीं की जाएगी। आवश्यक दस्तावेजों में पैन कार्ड, प्रान कार्ड (शासकीय कर्मचारी हेतु), फोटोयुक्त 10वीं/12वीं मार्कशीट, पासपोर्ट, वोटर आईडी/ई-वोटर कार्ड, मेरिज सर्टिफिकेट, फोटोयुक्त विकलांग प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र (18 वर्ष से कम आयु वर्ग हेतु), स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों की वैधता, फोटो की स्पष्टता एवं जन्मतिथि का मिलान आधार कार्ड से अनिवार्य होगा। शिविरों में विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन कर सटीक अपार आईडी जारी की जाएगी ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि या असंगति न रहे।

क्षेत्र मे दिवाली, गौरा-गौरी उत्सव दो दिन मना

नर्रा। दीपोत्सवों का पर्व दिवाली लक्ष्मी-कुबेर पूजन किया गया। अंचल के गांवों में सोमवार और मंगलवार को गौरा गौरी सामूहिक पूजा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसी तरह ग्राम कारागुला समेत क्षेत्र में गौरा गौरी पूजन मुख्य रूप से भगवान शिव गौरा और पार्वती गौरी के विवाह के प्रतीक है। इस त्यौहार पर मिट्टी से बनी गौरा गौरी की मूर्ति की पूजा होती है। लोकगीतों और नृत्य के साथ इनका विवाह कराया जाता है। दूसरे दिन बाजे के साथ गांव मे विसर्जन शोभा यात्रा निकाल कर तालाब मे विसर्जित किया। इस दौरान ग्रामीण जन मौजूद रहे।

खल्लारी में गौरा-गौरी विसर्जन में उमड़े श्रद्धालु, दिखा उल्लास

हरिभूमि न्यूज ⏭ खल्लारी

दीपों का महापर्व दीपावली अंचल के गांवों में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने अपने-अपने घरों में शुभ मुहूर्त पर विधिवत महालक्ष्मी, भगवान गणेश और मां सरस्वती का इस बार दो दिनों तक पूजा अर्चना कर मनाया। इसके बाद लोगों ने अपने आसपास के लोगो से मेल मिलाप कर एक - दूसरे को पर्व की बधाई देते हुए प्रसाद और मिठाईयां वितरण भी किया। वहीं इस मौके पर घरेलू महिलाओं व बालिकाओं ने अपने-अपने घर आंगन में आकर्षक रंगोली सजाई। लक्ष्मी पूजन के पश्चात रात्रि में विधिवत पूजा अर्चना के साथ गांव के विभिन्न चौक-चौराहों में गौरा-गौरी का प्रतिमाएं भी स्थापित की गई। इसके दूसरे दिन सुबह गांव के प्रमुख मार्गों व गलियों में गौरा-गौरी का भव्य शोभा यात्रा जुलूस

निकाली गई। जहां विसर्जन में लोगों की भारी भीड़ उमड पडी। इसी कड़ी में धार्मिक दैवीय माता तीर्थ स्थल खल्लारी में गौरा-गौरी के प्रतिमाओं को बाजे गाजे व बम पटाखों की गडगडाहट के साथ गांवों के विभिन्न गलियों से भ्रमण कराते हुये यहां के प्रमुख तालाब में विसर्जन किया गया।

घरों में भी हुई गोवर्धन पूजा

दीपावली के मौके पर मां लक्ष्मी पूजन के दूसरे दिन ग्रामीणजन अपने घरों के कोठार में गाय, बैल, भैंस की पूजा अर्चना के साथ गोवर्धन पूजा को पूरे पारंपरिक रूप से किया। जहां गोबर का गोवर्धन बनाकर उसमें गायों को चलाया गया और अपने घरों के आंगन में खाट के ऊपर केला के पत्ते में खिचड़ी खिलाने की रस्म अदायगी को पूरी की गई तथा इसके साथ ही किसान और उनके परिवार मवेशियों के जूठन प्रसाद भी ग्रहण किया।

अधिकारी पर जाति सूचक गाली-गलौज का आरोप, पंचायत सचिव से दबाव बनाकर प्रमाण पत्र बनवाने का मामला

सरायपाली (ग्रामीण)। जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत खैरझिटकी में पदस्थ पंचायत सचिव भरत कुमार ग्वाल ने सहायक अंकेक्षण अधिकारी शंकरलाल भोई पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अधिकारी ने अपने रिश्तेदार के घर जन्मे बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र गलत तरीके से बनवाने के लिए उस पर दबाव डाला। सचिव के अनुसार, संबंधित बच्चे का जन्म ग्राम पंचायत तोरेसिंहा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में हुआ था, जबकि उनका कार्यक्षेत्र खैरझिटकी पंचायत है। जब सचिव ने नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी करने से इंकार किया तो अधिकारी शंकरलाल भोई नाराज हो गए और फोन पर कहा "मैं तेरा अधिकारी हूं, मेरी बात नहीं मानता है?" इस दौरान उन्होंने जातिसूचक गाली-गलौज करते हुए धमकी दी कि "तुझे देख लूंगा, नौकरी से सेवा मुक्त करवा दूंगा।" उन्होंने बताया कि इसके बाद शंकरलाल भोई ने जनपद पंचायत सीईओ के समक्ष उनके खिलाफ झूठी शिकायत कर दी कि सचिव ने जन्म प्रमाण पत्र के लिए पैसे की मांग की है। सचिव के अनुसार, तत्कालीन जनपद सीईओ अमित हलदार ने बिना जांच पड़ताल किए उन पर कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। सचिव ने समय पर लिखित जवाब देकर अपनी पूरी बात स्पष्ट की, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी उनके पक्ष में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मचेवा में गोधन को खिचड़ी प्रसाद का भोग लगाया गया

महासमुंद। ग्राम मचेवा में आज गोवर्धन पूजा के अवसर पर गोधन को खिचड़ी प्रसादी का भोग लगाया गया। परिवार के समस्त लोगों ने गौमाता का आशीर्वाद लेकर पूजा-अर्चना की। पश्चात सोहाई बांधकर खिचड़ी भोग लगाया लगाया गया।